

HILLRIDGE INVESTMENTS LIMITED

Regd. Office: R-815, (B-11), New Rajinder Nagar, New Delhi-110060 Email: hillridgeinvest@gmail.com, Website: hillridgeinvestments.in, CIN: L65993DL1980PLC010757 Tel.: +91-11-28744604, Mob.: +91-9891095232

Date: 13/08/2020

To,
Department of Corporate Services
Metropolitan Stock Exchange of India Limited
Vibgyor Towers, 4th floor, Plot No C 62, G - Block,
Opp. Trident Hotel, Bandra Kurla Complex, Bandra (E),
Mumbai – 400 098

Subject: Intimation of Publication of Newspaper Notice (SYMBOL: HILLRIDGE)

Dear Sir/Madam,

We are appending below the Newspaper publications of Notice in respect "SHIFTING OF REGISTERED OFFICE FROM NATIONAL CAPITAL TERRITORY (NCT) OF DELHI TO STATE OF MAHARASHTRA" duly published in the Form No. INC-26 in the Vernacular newspaper in the principal vernacular language in the district and in the English Language in an English Newspaper in the state in which the registered office of the Company is situated.

You are requested to take the above on your records and acknowledge the same.

For HIERIDGE INVESTMENTS LIMITED

(Managing Director)

DIN: 07827689 Place: New Delhi

Enc:a/a

आर्थिक तंगी से जुझ रही 'आप' सरकार

इस बार छात्रों को नहीं देगी स्कूल ड्रेस

महालक्ष्मी ब्यूरो नई दिल्ली, 12 अगस्त लॉकडाउन के बाद राजस्व

आई कमी से आर्थिक तंगी डोल रही दिल्ली सरकार ने सभी गैर जरूरी योजनाओं फिलहाल विराम लगाव दिया है। इसमें सरकार ने सबसे महत्वपूर्ण फैसला बच्चों को स्कूल ड्रेस नहीं देने का है। दिल्ली सरकार के मुताबिक, इससे सरकार को 350 करोड़ रुपये की बचत होगी। ऐसे में स्कूल खुलेंगे तो बच्चे बगैर ड्रेस के भी स्कूल आ सकेंगे।

उपमस्त्र्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने हिंदुस्तान के साथ हुई बातचीत में बताया कि कोरोना महामारी के चलते सरकार के राजस्व पर काफी असर पता है। ऐसे में हमारी पहली



रखना और शिक्षकों, डॉक्टर्स समेत सभी सरकारी क्षमिंथों को समय प नरी देना है। स्कूल ड्रेस नहीं देने का फैसला इसलिए ही लिया गया है। का फैसला इसालए छ। एउन उन्होंने बताया कि सरकारी स्कूलों स्टोड की डेस बांटी में करीब 300 करोड़ की ड्रेस बांटी जाती है। इसके अलावा 50 करोड़ से अधिक रुपये आर्थिक रूप से हैं जो कि निजी स्कूल में पढ़ते हैं।

उपमुख्यमंत्री के मुताबिक, हम वह कदम उठा रहे हैं. जिससे सके। दिल्ली सरकार के 1100 से अधिक स्कूल हैं। इसमें 18 लाख से अधिक बच्चे पढ़ते हैं। सरकार इनकी किताबों से लेकर ड्रेस तक का सारा खर्च उठाती है। सरकार का कहना है कि अभी स्कूल नहीं खुल रहे हैं। मगर खुलने के बाद जिसके

सकता है। जिनके पास नहीं है वह अपने घर के कपड़े पहनकर आएगा तो भी उसे रोका नहीं जाएगा। आर्थिक तंगी के चलते सरकार भले ही सब्सिडी वाली योजनाओं पर ब्रेक ना लगाएँ। मगर अब सरकार विकास से जुड़ी नई योजनाओं पर फिलहाल काम शुरू नहीं करेगी। इसमें सीसीटीवी कैमरे लगाने का दूसरा फेज, आश्रम पर डीएनडी से जोड़ने वाला फ्लाईओवर समेत अन्य योजनाएं शामिल हैं। सरकार के मुताबिक, पहले से चल रही योजनाओं को पूरा करने के अलाव आर्थिक स्थिति सुधरने तक सरका दूसरी नई योजनाओं को हाथ नहीं

लगाएगी। कोरोना महामारी व

सरकार के राजस्व में 70 फीसदी से अधिक की कमी आई है। लॉकडाउन से पहले यानि जनवरी से मार्च 2020 के बीच जब सरकार को 5 हजार करोड़ से अधिक राजस्व की उम्मीद थी। उस समय भी कंपनियाँ ने सरकार को टैक्स नहीं दिया। बीते साल 2019 की तुलना में इस दौरान 2015 करोड़ रुपये कम राजस्व मिला। सरकार ने इसे 5500 से अधिक कंपनियों को टैक्स नहीं देने पर नोटिस भी जारी किया है। इसमें 970 कंपनियों ने इस दौरान एक भी रुपया टैक्स नहीं दिया है। राजस्व बढ़ाने के लिए सरकार ने डीडीसीडी को अध्ययन करने का भी निर्देश दिया है, जिससे सरकार का राजस्व



श्रीकष्ण जन्माष्टमी के शभ अवसर पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गप्ता ने साउथ मोती बाग स्थित बाबा बालकनाथ मॉदिर में श्री राधा कृष्ण जी के दर्शन कर वसुधा के कृष्ण जी से सभी के लिए सुख-समृद्धि और कोरोना मुक्त देश की प्रार्थना की।

थाने से भागे चोर का 24 घंटे बाद भी सुराग नहीं लगा सकी पुलिस

महालक्ष्मी ब्यूरो नई दिल्ली, 12 अगस्त नोएडा के फेस तीन थाने से पुलिस को चकमा देकर भागा चोर

24 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ नहीं लगा है। बाना पुलिस की कई टीमों ने सोमवार रातभर विभिन्न जगहों पर छापेमारी की, मगर उसका कोई सराग नहीं लगा। आरोपी को तलाश करने के लिए उसकी फोटो जिले के सभी थानों के अलावा पुलिस की विशेष टीम को भी भेज दी गई हैं।

बता दें कि मूलरूप से रायबरेली नसीराबाद थानाक्षेत्र के गांव इटरोरा निवासी धीरेंद्र कुमार उर्फ मोनू उर्फ हरेंद्र चोरी के मामले में नामजद था। पुलिस उसे रायबरेली से गिरफ्तार करके सोमवार शाम 4 बजे थाने लेकर आरं थी। जब हवालात में बंद करने के तुए उसके गेट पर पहांची तो आरोपी पुलिसकर्मियों से हाथ छुड़ाकर थाने



दसरी तरफ पहुंच गया और इसके बाद ममरा की तरफ फरार हो गया। फेस तीन थाना प्रभारी ने बताया कि रातभर ममूरा सहित अन्य जगहाँ पर उसकी तलाश की गई. लेकिन वह एकड़ में नहीं आ सका। थाना पुलिस की दो टीमों के अलावा ि टीम आरोपी की तलाश कर रही है। आरोपी को पकड़ने के लिए उसकी फोटो जिले के थानों के अलावा आसपास के जिलों की पुलिस को भी भेज दी गई है। मंगलवार शाम 4 बजे तक पलिस आरोपी का पता नहीं

नोएडा पुलिस की एक टीम |पी मोनू की तलाश में उसके नाएडा पुरिश्त का एक टाम आरोपी मोनू की तलाश में उसके गांव पहुंच गई। पुलिस ने उसके घर पर छापेमारी की, लेकिन वह यहां भी नहीं मिला। पुलिस ने आरोपी के बारे में उसके परिजनों से भी पूछताछ की है। परिजनों का कहना है कि वह थाने से फरार होने के बाद घर नहीं आया।

के बारे में स्थानीय . शाजा जसीराबाट क बार म स्थानाय याना नसाराबाद पुलिस को जानकारी दी है ताकि घर आने पर आरोपी को गिरफ्तार किया जा सके।

फेस तीन थाने से आरोपी के फरार होने के बाद सभी थानों की पलिस को अलर्ट कर दिया गया था। इसके बावजूद आरोपो सभी थानों की पुलिस को चकमा देकर फरार् हो गया। अब पुलिस चोरी के मामले में पूर्व में गिरफ्तार हो चुके आरोपियों से पूछताछ कर रही है, ताकि मोनू का पता चल सके। इसके अलावा की पता चेल सकी इसके अलावा पुलिस ने सर्दिक्यों से भी पूछताछ की है। आरोपी के अपने गांव में न मिलने पर पुलिस को शक है कि वह नोएडा में ही छिपा हुआ है। इस वजह से पुलिस की कई टीमें नोएडा में ही

(रास का कड़ दान नाएडा न ठा की तलाश कर रही हैं। आरोपी मोनू जिस समब थाने से

न्यादा पुलिसकर्मी थे। पुलिसकर्मियों ने आरोपी का पीछा भी किया. न जाराना को नाला मा किया, लेकिन वह हाथ नहीं आ सका। अब इस मामले में पुलिस कर्मियों की लापरवाही को लेकर एसीपी प्रथम च कर रहे हैं। उन्होंने मंग जाच कर रहे हैं। उन्होंन मंगलवार को थाने पहुंचकर पुरे मामले की जानकारी ली। साथ ही कई पुलिस कर्मियों के बयान दर्ज किए। म रहा है कि इस मामले में कई पुलिस कर्मियों पर गाज गिर सकती है। जांच पूरी होने के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी आगे की कार्रवाई करेंगे। आरोपी मोनू ने 16 फरवरी को ममुरा निवासी इन्द्रपाल के घर से लाखे रुपये के गड़ने और कैश चीरी किय था। वारदात के दौरान मकान मालिक अपने परिवार के साथ हरियाणा के सोनीपत में गया हुआ था। जब वह घर वापस आए तो वारदात का पत् चला था। इसके बाद फेस तीन थाने

फरार हुआ उस दौरान थाने में 20 से में केस दर्ज कराया था।

तबलीगी जमात दिल्ली की निचली अदालतों से लंबित मामले साकेत कोर्ट में टांसफर

नुई दिल्ली, 12 अगस्त (ह.से.) दिल्ली हाईकोर्ट ने विभिन्न विदेशी नागरिकों के खिलाफ लॉब को साकेत जिला अदालत में स्थानांतरित करने के आदेश दिए ताकि उन पर तेजी से सुनवाई हो सके। इन विदेशी नागरिकों ने दिल्ली की निजामुद्दीन मरकज के तबलीगी जमात के कार्यक्रम में हिस्सा लिया था और बीजा नियमों तथा कोविड-19 के दिशानिदेशों का उल्लंघन कर कथित तौर पर ाचना पांच कावार ने प्रकार के कार्याच्या की उत्तराव के कार्या में स्थान मियानी गतिविधियों में शिरकत की थी। जास्ट्स अनूप जयराम भंवानी ने निर्देश दिए कि आठ याचिकाओं में वर्णित विभिन्न प्राथमिकियों में जो आरोपपत्र दायर किए गए हैं उन्हें दिल्ली की विभिन्न निचली अदालतों से यहां के दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के साकेत जिला अदालत में स्थानांतरित किया जाए। अदालत ने कहा कि कानून के मुताबिक, मामलों का तेजी से निपटारा हो। हाईकोर्ट ने बीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से सुनवाई की और विदेशी नागरिकों के वकील के आग्रह पर आदेश सुनाया, जिन्होंने जार जिस्सा नागरक के प्रकार के का अक्ष पर आदश शुनाया, ज्यार अपील की थी कि सुप्रीम कोर्ट के छह अगस्त के निर्देश के मुताबिक आदेश जारी किया जाए। जिन तीन याचिकाओं में मजिस्ट्रेट ने आदेशपत्र में वर्णित कथित अपराधों का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया उस बारे में हाईकोर्ट को सुचित किया गया कि निचली अदालत ने याचिककताओं को तलय नहीं किया है और अगर सरकार ने मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती नहीं दी तो यह मामला खारिज हो जाएगा। दिल्ली सरकार के वकील राहुल मेहरा ने इस बारे में निर्देश लेने के लिए समय मांगा। इस बीच. केंद्र सरकार के न इस बार मानदश लन का लिए समय मागा। इस बाच, कह समकार क क्वबील अजब दिपाल, अनिल सोनी और अनुराग आहलुवालिया ने काला कि चुंकि लुक आउट सकुत्तर (एलओसी) आउजन ब्यूरी, गृह मंत्रालय ने अभियोजन एजेसी दिल्ली पुलिस के आग्रह पर जारी किया है, इसलिए आपराधिक मामलों के समाप्त होते ही और एलओसी बंद करने का आग्रह ग्राम होने पर पारत सरकार की इसे करने में कीई समस्या नहीं होगी और याचिकाकताओं को देश से बाहर जाने दिया जाएगा।

कोरोना से ठीक हुए 45 प्रतिशत लोग प्लाज्मा दान के लिए अनफिट

नई दिल्ली, 12 अगस्त कोरोना संक्रमण से स्वस्थ हुए करीब 45 प्रतिशत लोग प्रताउद्या टीन के लिए अनिफट घोषित हो गए। इसमें एंटीबॉर्डी कम होने के साथ ही कई पहल सामने आए जिनके कारण छा के बावजूद उनसे प्लाज्मा नहीं इच्छा क क लिया गया।

पिछले एक महीने में सपर स्पेशयलिटी शिशु अस्पताल, ग्रेटर नीएडा शारवा अस्पताल और सेक्टर-31 स्थित रोटरी ब्लंड बैंक में 47 कोरोना संक्रमण से स्वस्थ हुए लोगों ने प्लाज्या दान की इच्छा जताई। इसमें से 26 लोगों का ही प्लाज्या लिया गया। ग्रेटर नोएडा के जिम्स ने प्लाज्मा दान से संबंधित जानकारी उपलब्ध नहीं कराई। इसमें मुख्य रूप से हाथ के नसों की स्थिति सही नहीं होना और एंटीबॉडी का स्तर तीन या

सेक्टर-31 स्थित रोटरी ब्लड बैंक में ऐसे लोगों के प्लाज्मा नहीं र जा रहे हैं, जिनमें एंटीबॉडी का



राज्या नहीं लेने के कई अन्य कारण भी रहे। कोविड संक्रमण से स्वस्थ होने वाले मरीजों में धीरे-धीरे एंटी बॉडी खत्म होने लगती हैं। ऐसे में स्वस्थ होने के बाद दो से तीन महीने के अंदर प्लाज्मा दान करना अहम है ताकि एंटीबॉडी की संख्या कम न हो सके

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपक ओहरी ने बताया कि आईसीएमआर के निदेशों के अनुसार लोग प्लाज्मा दान कर सकते हैं जो मानकों के अनुरूप हैं और दान की इच्छा रखते हैं. उनके प्लाज्या लिए जा रहे हैं। शिशु अस्पत

हिमैदोलॉजी विभाग से जुड़े डॉक्टर सत्यम अरोड़ा बताते हैं कि प्लाज्म दान के दौरान कई पहलुओं की जांच की जाती है. जो इस पर खरा उतरत

है उसका प्लाज्मा लिया जाता है। शिशु अस्पताल में प्लाज्मा दान के लिए आए व्यक्ति में पंटीबॉडी के स्तर मापने के लिए जल्द ही मशौने आएंगी।इनकी मदद से प्लाज्मा दान से पहले एंटीबॉडी की स्थिति देखी जाएगी। इसके बाद ही प्लाज्या लिय जाएगा। अस्पताल में अब तक 14 यूनिट प्लाज्या इकट्टा किया गया है। दान करने वाले लोगों को अस्पताल

चीनी हवाला रैकेट - प्रवर्तन निदेशालय से जांच की मांग

नई दिल्ली, 12 अगस्त आयकर विभाग द्वारा 000 हजार करोड़ रुपये से अधि

के मनी लाड्रिंग से संबंधित चीनी हवाला रैकेट के भंडाफोड़ को देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा खतरा बताते हुए कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने आज केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीधारमन और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री श्री पियूप गोयल को भेजे एक पत्र में चीन की मंशा पर सवाल खड़ा करते हुए पूरे रैकेट की गहन जांच करने जिसमें खास तौर पर वह देखने के लिए की क्या देश में अन्य चीनी लोगों द्वारा इस तरह के और रैकेट चलाये जा रहे हैं की मांग की ! इस मामले में बंधन बैंक तथा आईसीआईसीआई बैंक के शामिल होने वहित विभिन्न ई कॉमर्स कंपनियों की साठगांठ पर भी कैट ने जांच की मांग की है और दोषियों को कड़ा दंड देने तथा एक प्रकार के राजद्रोह का मुकदमा चलाने की मांग भी की है !

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी. सी. भरतिवा और राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि यह एक भयावह और दर्भावनाएण

प्रवास है जो चीनी नागरिकों द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने के लिए चीनी सरकार द्वारा समर्थित भी हो सकता है किट ने इस मामले की प्रवर्तन निदेशालय द्वारा भी एक अलग जांच कराये जाने की मांग की है। उन्होंने कहा की यह भी जांच का विषय है कि कैसे चीनी व्यक्ति लओ सांग जो कि चीन में उसकी वास्तविक पहचान है और जो चालीं पेंग के नाम से काम कर रहा था उसे मणिपुर से भारतीय पासपोर्ट कैसे जारी हो गया तथा उसको आधार और पैन नंबर भी कैसे जारी हुआ जिसके जरिये उसने बैंकों में अनेक बैंक खातों की श्रंखला खोली !यह कहीं न कहीं देश एवं राज्य की च्यवस्था में कमजोरी दिखाता है !

श्री धरनिया और श्री खंडेलवाल अ। भरातवा आर आ खंडलवाल ने कहा कि लगभग 40 फर्जी बैंक खातों के खुलने और उनके लगातार संचालित होने पर यह निश्चित है की इस मामले में चोनी व्यक्ति और बैंक अधिकारियों का घनिष्ठ संबंध है और बैंक अधिकारियों ने जानते हुए भी इन अनियमित बैंक खातों को चलने दिया ! ऐसे सभी बैंक अधिकारियों की पहचान कर उन्हें तरंत सम्बंधित बैंक से निष्कासित किया जाना चाहिए और उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए ! श्री भरतिया एवं श्री खंडेलवाल ने आश्चर्यं व्यक्त करते हुए कहा की यह चीनी व्यक्ति नियमित रूप से नकद में करोड़ों रुपने जमा कर रहा था और निकाल रहा था जो कि एक असामान्य लेनदेन है और इस तरह का हर लेनदेन बैंक के नियंत्रण जानकारी में रहता है जिसमें ऐसी किसी भी शक के दायरे वाले लेन-दे-के बारे में अधिकारियों को सूचना देनी अवशयक है ! लेकिन इस मामले में या तो बैंकों ने आंखें मृंद रखीं थी या अगर उनके द्वारा सूचना दो गई थी तो फिर इस तत्काल संज्ञान क्यों नहीं लिया गया और इस तरह के लेनदेन की अनुमति क्यों दी गई। श्री भरतिया और श्री खंडेलवाल ने कहा कि भारत में अपनी ऑनलाइन व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन करने वार्ल कुछ प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियां भी इन चीनी व्यक्तियों और कंपनियों के साथ साठगांठ में शामिल हैं! कैट ने पहले भी ई कॉमर्स कंपनियों के व्यापार करने के तौर तरीकों पर सवाल खड़े किये हैं जबकि इस मुद्दे में ई-कॉमर्स कंपनियों पर भी आंच आयी है।

दिल्ली दंगे

'पिंजरा तोड' एक्टिवस्ट नताशा नरवाल फिर दायर की जमानत याचिका

पूर्व किरली, 12 अगस्त (ह.सू.) विकास के प्रतिकृति होई किरली, 12 अगस्त (ह.सू.) विराणि होई किरली में हुई स्राप्नदाविक हिंस से जुड़े एक मामले में महिला संगठन 'पिजरा तोड़ की एक सदस्य नताशा नरवाल को अगस्तत वाचिका पर हिल्ली पूर्वित्त से जावब मांगा है। जारेट्स विश्व कांग्रस्क ने एक निक्स्ती अधालत के आदेश को चुनीती देने वाली वाचिका पर हिल्ली पुलित को नोटिस आती किया। निक्स्ती अधालत के अधाल के अधाल को अधालत के अधाल को अधालत के अधाल को अधालत के अधाल को के अधालत के अधालत के अधालत को अधालत के अधालत को अधालत के अधालत के अधालत को अधालत के अधालत के अधालत को अधालत के अधालत को अधालत के अधाल ने कहा, "नोटिस जारी किया। विशेष लोक अभियोजक अमित महाजन ने नोटिस स्वीकार किया और स्टेटस रिगोर्ट दाश्चिल करने के लिए दस दिन का समय मांगा। यांचिकाकर्ता (नरवाल) के वकील को इसकी एक कॉर्यों देने के साथ उक्त अर्वाध के भीतर स्थिति रिपोर्ट दाश्चिल की जाए। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 26 आरत को निर्वारित की। इस मामले में नरवाल और समूह की एक अन्य सदस्य देवांगना कलिता को इस साल मुई में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरपतार किया था और आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत उन पर मामला दर्ज किया था. आहर्षात्र के आगण्य करिया है। जिसमें देगा, गैरकानूनी सभा आयोजित करने और हत्या का प्राथम संबंधी धाराएं शामिल हैं। उन पर देगों में स्पूर्व-नियोजित साजिशह का कथित तीर पर हिस्सा होने के आरोप में, सांप्रदायिक हिस्सा से जुड़े एक अलग मामले में कड़े आतंकवाद रोधी कानून- गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोक्याम) अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया यहाँ है। नए नागरिकता कानून के समर्थकों और विदोधियाँ के बीच हिंसा भड़कने के बाद 24 फरवरी को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में कई साप्रवाधिक झड़पें हुई थीं, जिनमें कम से कम 53 लोग मारे गए थे और लगभग 200 लोग घायल हो गए थे। कलिता के खिलाफ चार मामले दर्ज किए गए हैं।

पति-पत्नी की घर में घुसकर हत्या, वारदात से पहले हाथ-मुंह टेप से बांधे

महालक्ष्मी ख्यूरो नई दिल्ली, 12 अगस्त हरियाणा के फरीदाबाद में तिगांव

शभ प्रभात

थाना इलाके के गांव जसाना में

वारकर बेरहमी हत्या कर दी। हत्या मंगलवार दिनदहाड़े नकाबपोश बदमाशों ने एक दंपति के सिर पर

की वारदात को अंजाम देने से पहले बदमाशों ने दंपति के हाथ और मुंह पर टेप बांध दी थी। डलब मर्डर की सचना मिलने के बाद पलिस के आला अधिकारी और क्राइम ब्रांच की टीमें मौके पर पहुंच गई। अभी तक हत्या के कारणों का खलासा नहीं हो

हत्या क कारणा का खुलासा नहा हा सकत है। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए बीके अस्पताल की मोर्चरी में भेजकर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से फतेहपुर चंदीला निवासी सुखबीर (27 वर्षीय) की शादी वर्ष 2013 में जसाना गांव की मोनिका के साथ हुई थी। करीब डेड साल पहले मौनिका ने अपने मायके में जमीन लेकर मकान बनवा लिया था। इसके बाद से सुखबीर और उसकी पत्नी जसाना के पास बनी कॉलोनी में मकान बनाकर रहने लगे। मोनिका अपने पिता के यहां से दूध लेने आती थी। मंगलवार की जब देर शाम तक मोनिका दूध लेने

नहीं पहुंची तो उसका भाई दूध लेकर अपनी बहन के घर पहुंचा। जहां वह अपनी बहन और जीजा को खुन से लथपथ देखकर चिल्ला उठा।

इसके बाद घटनास्थल पर लोगो की भीड़ जमा हो गई। दोनों के शव बेड से नीचे पड़े हुए थे और हाथ व मुंह पर टेप बांधी हुई थी। सिर और गले पर बदमाशों ने वार किए हुए थे।

हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी व क्राइम ब्रांच की टीमें मौके पर पहुँची। बताया जाता है कि वह हत्या दिन के किसी वक्त हुई है। घर की अलमारी खुली पड़ी थी और सामान विखरां हुआ था। इससे लूटपाट की वारदात से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

थाना एसएचओ तिगांव जसबीर सिंह का कहना है कि अभी हत्यारी का पता लगाया रहा है। दंपति की यह हत्या दिन के किसी वक्त हुई है। इस बारे में घटनास्थल पर पूछताछ की जा रहीं है। ष्ट्रीमें गंबर आहेंह्यामी-26 कंपनी (निगमन) विषय, 2014 के कल 30 के अनुवालन में | दूसरे ग्रन्थ में कंपनी के प्रतिकृत कार्यालय पीवर्डन के लिए स विवायत प्रकाशित किया जाता है केटीय सरकार के समझ

क्षेत्रीय प्रबंधक, उन्हर्ष क्षेत्र, दिल्ली की धारा 13 को उपधारा (4) एवं कम्पनी (निगमन) विनियम 2014 130 के उप-नियम (5) के खंड (ए), के मामले में

170005 है, पापनसभाना इस जनता एन्ट्र इस सुचित सिया जात है कि कंपनी अधिनयम, 2013 को बात 13 के ततत कंपनी कंद्र सरकार में आवेदन करने का प्रतान करती है, जो कि 29 जुनाई, 2020 को सम्पान शिक्ष इस पेक्रम पीड़ा पीड़ा प्रतान के स्वेदन में संपन्नी है भेदीन अंक पादेशियान के क्षित्रक स्वाधित्र के स्वित्रक स्वाधित्रक स्वाधित स्वाधित्रक स्वाधित्य स्वाधित्य स्वाधित्य स्वाधित्य स्वाधित्रक स्वाधित्य स्वाधित्य स्वाधित्य स्

भावन है, जह समार्थि -21 पोर्टेस (www.mca.govin) प्र निमान दिश्वल कार्यक्र स्थापन किया है। जह समार्थि -21 पोर्टेस (www.mca.govin) पर मिन्सिक दिश्यल प्रथम एकर या विवर्तित करने या नेवाने के करण अपनी नीच और विशेष के आधार मताने हुए एक सन्तमने इस समर्थित अपनी आर्थित के में महाने हुए एक सन्तमने इस समर्थित अपनी आर्थित कार्यक निमान परिताल कार्यक है। इस मिन्सिक निमान परिताल कार्यक सिंग्सन परिताल कार्यक सिंग्सन निमान परिताल कार्यक स्थापन के प्रमान किया मिन्सिक स्थापन के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान कार्यक स्थापन के प्रमान के प्रमान के प्रमान कार्यक स्थापन के प्रमान कार्यक स्थापन के प्रमान के प्रमान कार्यक स्थापन के प्रमान कार्यक स्थापन स

स्थानः नई दिल्ली

फार्च गंबर आईएसमी-26 [फार्चा (तेमापन) विषय, 2014 के कान 30 के अनुवातन में] दूसो पाट्यों केवनी के पंत्रीवृत्त कार्यावतन घों विश्व स विश्वप्रस्व प्रवक्तीक किया जाना है केविया परावका के माध्य केविया परावका के माध्य केविया परावका के माध्य जाने क्षेत्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र करने जाने क्षेत्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्ष्मित्र प्राप्त 2013 की स्थात 13 की टापसत (4) एवं कम्पन्ते (निमानन) है

तथा टमेंट्स निर्मिटेड (CIN: L590DL1980PLC010757) के बाद तथ आर- 815 न्यू पॉविंटर नगर नई दिल्ली 110000 है. पॉपिककर्त १६ ह्यार प्रॉपित किया जला है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के से आपेदन करने का प्रतास करती है. जो मिन 27 जुलाई, 2020 को व केंद्र रास्त्रात को आपेदन करने का प्रात्ता चरती हैं, जो मिं 27 जुनाई, 2029 को रायान्त्र किया की का विक्रा में काम देशक में पात्रिक प्रत्याक हैं त्या में कंपने की मोदीर को भी पर पहिलाइन के परिवार की पुढ़ि को गांग करती है ताकि कंपनी अपने पंजीवृत्त कार्यालय को दिल्ली के राष्ट्रीय राजधारी वेद्र गी 'बहुताबूट कार्या में व्यक्त के पात्रिक स्वार्थ के प्रत्यालय की प्रत्यालय क्षार्थ के प्रसाद की व्यक्ति

बढ़ों भी धार्मिक दिशबों रिवे बढ़ेगी के पंत्रीकृत करातीमां के महत्वविक परिवर्धन में त्राधीक होने की संधानक है, वह एमारीए -21 परिवर्ध (www.inca.gov.in) पर निवंधक विकास काम प्रधान के द्वारा कराती कार के उत्पार कामी हुए एक इस्तरूपन के उत्पार कामी हुए एक इस्तरूपन के उत्पार कामी हुए एक इस्तरूपन के उत्पार कामी के अपने कर्मा प्रशास के उत्पार कामी के अपने क्षेत्र के उत्पार कामी के अपने कर्मा प्रकास के उत्पार कामी के अपने क्षेत्र के उत्पार कामी के अपने क्षेत्र के उत्पार कामी के अपने क्षेत्र के उत्पार के उत्पार के उत्पार के अपने के अपने के अपने के अपने के अपने क्षेत्र के उत्पार के अपने के अपने के अपने के उत्पार के अपने के अपने क्षेत्र के उत्पार के अपने क्षेत्र के उत्पार के अपने के अपने क्षेत्र के उत्पार के अपने क्षेत्र के अपने क्षेत्र के उत्पार के अपने क्षेत्र के अपने के अपने क्षेत्र के उत्पार के अपने क्षेत्र के अपने के अपने क्षेत्र के अपने के अपने क्षेत्र के

हिलरिज इन्बेस्टमेंट्स लिमिटि



Eight new virus deaths in Delhi, fewest in nearly three months

New Delhi/August 12 Delhi on Tuesday corded eight deaths due the coronavirus disease

to the coronavirus disease (Covid-19), the lowest single-day fatalities for the city in nearly three months. This is the first time since May 19 that daily deaths have dropped to single digits.

So far, 147,391 people in Delhi have been infected with Sars-CoV-2 — the virus that causes Covid-19 — and 4,139 people have died. This puts Delhi's case fatality rate (CFR) — the proportion of deaths among those diagnosed with the infection — at 2.81%. To be sure, this is much higher than the national inverage of 1.99%.

"Today there were 8 deaths due to cover than the ready of the cover than the national inverage of 1.99%.

Today there were 8 deaths due to cover in Delhi. After many days fower than

have taken several steps to reduce the number of deaths due to corona. Our effort is to have no deaths. For us every life is precious," said Delhi chief minister Arvind Kejriwal in a tweet.

The highest single-day deaths in Delhi were lodged on June 16 when 487 fatalities were added to the daily bulletin. However, 344 of these deaths had occurred in the past and were being reconciled after being vetted by a three-member death audit committee.

by a three-member death audit committee.

The Delhi government had started reconciling the data on the deaths due to Covid-19 being reported from the city May 12 onwards after news reports highlighted that the cumulative number of deaths in the daily bulletin were much lower than deaths reported from hospitals treating Covid-19 patients.



Meanwhile, the Capital has one of the highest testing rates in the country. As of Tuesday night, over 1.2 million samples have been level have a doubling rate of the country. While cases at the national week as a conservation of the pandemic in the country. ruesday night, over 1.2 million samples have been tested in the city, placing the testing per million at 64,412. In comparison, the national average is 19,643.

Delhi is also the only region in the country that has

deaths) during the second half of June. Since then, the Delhi government has significantly scaled up the city's intensive scaled up the city's intensive care facilities by creating more ICU beds in its hospitals. — Lok Nayak, Rajiw Gandhi Super Speciality and Guru Fee Bahadur hospital. — "The number of deaths due to Covid-19 has gone down because we now know that early admission in the intensive care unit and neavelding awayen therapy

providing oxygen therapy helps," said Dr Suresh Kumar, medical director, Lok Nayak hospital – Delhi's biggest Covid-19 treatment

box Nayuk nospital - Dein's biggest Covid-19 treatment facility.

In June — after the centre stepped in to manage the crisis in Delhi - Union home minister Amit Shah had said almost half the deaths in the hospitals were happening within 48 to 72 hours of admission, meaning

due to a phenomenon called "silent hypoxia", or happy hypoxia", where patients do not have breathlessness or other symptoms despite having low oxygen saturation. Provisions were also made to give pulse oxinetres to those under home isolation or prevent deaths that were happening because of late admissions.

happening because admissions.
On June 13, the Indian Council of Medical Research also allowed the use of several therapies – including Delhi government's flagship plasma therapy – for experimental government's flagship passing therapy — for experimental use in Covid-19 patients outside of clinical trials. Hospitals have reported use of steroids, plasma therapy and frags such as Rendesivir and Tocilizumab have helped in reducing Covid-19 mortality. The government opened the country's first plasma bank at the Institute of Liver and Biliary Disease (ILBS), Vasant Kunj on July 2 to aid patients in getting blood-type matched convalescent plasma.

type matched convalescent. plasma.

In July end, to further reduce mortality, the Delhi government also set up four panels to inspect 10 hospitals that were reporting higher number of deaths and suggest remedies. Equipping Covid-19 wards with more high-flow nasal oxygen systems, sealing up plasma therapy administration in earlier stages of treatment, early transfer of severe potients to intensive care units (PCUs), and preparing for a ICU bed augmentation strategy for a potential second wave of the steps suggested by the committee reduce deaths.

"Over the last few months, we have learnt to better manage Cavid-19 patients. We now know that the patients tend to do better when put on high flow oxygen therapy rather than on a ventilator. Earlier, when the condition of the patients deteriorated they were put on ventilators and the outcomes were worse.

We also know that early intervention helps. Be it plasma therapy or other drugs, these are being given to patients sarly on the prevent a high viral load that throws the immune system off track causing a cytokine storm (a condition where a hyper active immune system off track causing and the condition of the property of the prop

FIR against 100 Asha workers for Jantar Mantar protest

MM BUREAU

New Delhi/August 12

The Delhi Police on Tuesday filed a case against more than 100 Asha workers as well as members of Central Trade Unions for holding a protest at Jantar Mantar on Sunday in contravention of the Unlock 3 guidelines in effect to prevent the spread of Covid-19.

Accredited Social Health Activists (Asha) have been crucial in the fight against the disease, and a majority of them in the city have been on strike since July 21, demanding better wages.

They were booked for holding protests without permission and "violating social distancing norms" at the protest.

The FIE was registered.

police station under Section 188 (Disobedience to order duly promulgated by public servant) of the Indian Penal Code, Section 3 of the Penal Code, Section 3 of the

level have a doubling rate of 24.2 days, this number for Delhi is significantly better — 84.4 days. City hospitals started reported a surge in Covid-19 cases (and subsequently

gathered at Jantar Mantar to protest on Sunday noon. He said the police went to the protest spot and informed them no such protest or gathering was allowed in the city, as per the Unlock 8.0 guidelines.

city, as per the Onneck so, more produced income they had got permits from muthorities concerned.

"When the protesters were asked to produce the permission letter they failed to do it. They were convinced, and they left Jantar Mantar after around half an hour, assuring they would submit the letter on Monday, under which the FIR was registered, 'Singhal added.

The protest at Jantar

Mantar was organised by the All India United Traders

Union Centre (AIUTUC) against privatisation in all government sectors and scheme workers such as Ashas being demied salary and position of a regular worker. Delhi ASHA Worker: Association (DAWA) had participated in the strike. DAWA has been demanding that the monthly salary for an Asha worker in Delhi be hiked to 110,000 from \$4,000 currently.

currently. Kavita Yadav, Delhi Kavita Laua., coordinator for Asha workers, All India United Traders Union Centre (AIUTUC), said, "We have not been informed by the Delhi Police about any FIR registered against us, and are trying to against us, and are t find out details. If the

SDMC gets Rs 43 crore from Centre for dust-control and waste processing measures

Waste processing fileasures
Our Correspondent
New Delhi/August 12
The South Delhi Municipal Corporation (SDMC) has received Rs 42.77 crore from the Centre under the Urban Development Fund (UDF) for the current financial year to combat air pollution by introducing dust-control measures and to augment its waste-processing facilities. A proposal to use the money for the purpose was approved by the corporation's Standing Committee on Tuesday and will be presented in the House for a final approval. Civic officials said the corporation had approached the Union ministry of housing and urban affairs earlier this year for a grant under UDF for the work. Dust is a major contributor to air pollution in Delhi. The Supreme Court-appoint of the properties of the Court-appoint of the Central Standing Committee chairman Rajdut (EPCA) had been asking the civic bodies to take measures to check road dust. Standing Committee chairman Rajdut Gahlot said the funds will be utilised to strengthen and resurface damaged roads, develop decentralised compost plants and promote the use of recycled water by installing decentralised sewage treatment plants (STPs), among others. Internal roads will be strengthened using this fund at 12 locations, including Malviya Nugar, Pancheleel Park, Huzz Klans, Green Park Main and Estension, C R Park, Dwarka (pocket-1) and Malavir Enclave, among others at no estimated cost of Rs 20 crare, "Galhot said, Gahlot said Rs 7 crore has been allocated to develop 15 waste treatment plants and my pipelines at various locations. Besides, Rs 3.7 crore have been sanctioned for procuring five electric road sweeping machines and Rs 12 crore for installing drum composters to treat solid waste at the ward treatment plants and they pipelines at various locations. Besides, Rs 3.7 crore have been sanctioned for procuring five electric road sweeping machines and Rs 12 crore for installing drum composters to treat solid waste at the ward treatment plants and they of spaces under flyovers, creeding vertical gardens, mechanical

of Chinese Hawala Racket

New Delhi/August 12
Reacting sharply on
the Chinese Hawala racket
busted by the Income Tax
Department yesterday
pertaining to money
laundering of more than
1000 crores so far, the
Confederation of All India
Traders (CAIT) in a letter
sent to Finance Minister
Smt. Nirunala Sithraman
and Commerce Minister Mr.
Piyush Goyal has demanded
an in-depth investigation
of the whole racket and to
investigate whether such
kind of rackets are also in
operation by Chineses people investigate whether such kind of rackets are also in operation by Chinese people in the Country. The CAIT has also demanded stern action against Banks like Baudhan Bank & ICICI Bank and others for their connivance with Chinese national, nexus of this Hawala with

might be backed by Chinese

Government to wreck the Indian economy. The CAIT has also demanded a separate intensive probe by the Enforcement Directorate as well.

the Enforcement Directorate as well.

The trade leaders also said that its a matter of investigation that as to how the Chinese person Luo Sang which is his real identity in China and who was operating under the name of Charlie Peng was able to secure Indian Passport from Manipur and how he was able to further secure Andhar & PAN Number through which he opened series of Bank Accounts.

Mr. Bhartin & Mr. Klaudelwal said that opening and smooth operations of

Mr. Bhartin & Mr.
Khandelwal said that opening
and smooth operations of
about 40 Shell Bank Accounts
compelled to derive the
fact that there is a close
nexus of Chinese national
& Bank officials and as such
immediate steps should be
taken to take task because of
highly dereliction in duties of
the Bank officials who should
immediately be suspended
and stern action should be

taken against them
They further said that
Chinese individual was
depositing and withdrawing
crores of rupees in Cash on
regular basis which is an
abnormal transactions and
every such transaction is
under scanner of the bank
which has to report the same
to the Authorities. But in
the instant case either the
Banks kept a blind eve he
Banks kept a blind eve he

CAIT ask for in-depth investigation Illegal call centre busted for duping loan seekers

MM BUREAU

New Delhi/August 12

An illegal call centrerunning from outer Delhi's
Ranhola and cheating people
in the name of providing
loaus from a leading financial
services company has been
busted by Delhi Police's cyber
cell unit (CyPAD).
Seven people, including
a sades promoter associated
with a telecom service
providing company, were
arrested for cheating more
than 500 loan aspirants to the
tune of Re 2 of order in the last

than 500 loan aspirants to the tune of Rs 2.5 crore in the last two years, officials said. Deputy commissioner of police (CyPAD) Anyesh Roy said the arrested sales promoter, Pawan Mittal,

promoter. Mittal used to activate Mittal used to activate SIM cards by illegally using documents and photographs of foreigners who had submitted them to get new numbers during their stay in

an intent to dupe them and avoid getting caught by law enforcement agencies, Roy

said.
"As the SIM cards were "As the SIM cards were activated using foreigners' documents and photographs, it became difficult to identify and nab the fraudsters," the

and tab the fraudsters," the DCP said.
Police said the call centre was busted following an investigation into a complaint, the day of the property of the prop

personal loan online when he came across a phone number that claimed to be associated with a leading financial services company.

"Kumar called on that number and was assured a loan at a lucrative interest rate. He was tricked into paying around R2.19 lash as processing fee and other charges.

charges.

To win his confidence, he was sent an email from an ID that looked similar to the company's official email ID,"

said the officer.

The loan-seeker knew he was duped when he did not receive the money and the number on which he contacted the loan provider was deactivated. A cheating case was registered on his complaint.

During the probe DCP

case was registered on his complaint.

During the probe, DCP Roy said, the investigating team established the money trail and through technical surveillance traced the call centre to Rahnola.

"We first arrested Mittal who had activated the number used to call the complainant. His interregation led to the arrest of the leader, who carlier worked as a telecaller at an insurance company," he soid.

The other arrested persons are Vishal Tiwar, Cyan Singh and Richabh Mohammad. Saift told poice that they cheated 90-25 people every month through the call centre he had established two years ago.

CISF readies for Metro reopening, no word on when services will resume

Our Correspondent

Our Correspondent

New Delhi/August 12

The Central Industrial Security Force (CISF) has started preparations for the resumption of Metro services in Delhi-NCR, although there is no official word yef on when services will restart. According to CISF officials, they have been asked to make sure services can be resumed at short notice. Delhi Metro services have remained suspended since March 22, when the Janta curfew was observed. While other modes of public transport have been allowed, with restrictions, as part of the gradual easing of lockdown norms, the Metro, which cateered to nearly 2.4 million passengers daily pre-pandemic, has remained suspended. According to a senior CISF official, who asked not to be named, the force has been directed to be prepared to resume services. An official from the ministry of home affairs, which is in charge of guidelines for unlocking services and conomic activities across landin, however, said there has been no date set yet by the government for the resumption of Metro services. "CISF is prepared with all security arrangements whenever it opens," another official, who didn't wish to be named, said When contacted, housing and urban affairs (HUA) minister Hardeep Singh Puri declined comment on the matter.

Website crashes during day 2 of DU's online open-book exams

MM BUREAU

New Delhi/August 12 New Delhi/August 12 Final-year undergraduate and postgraduate students of Delhi University continued to face a harrowing time on Tuesday—the second day of online open-book exams (OBE) at Delhi University—as the wobsite briefly crashed in the atternoon while students were trying to unlead their ere trying to upload their

were trying to upload their answer scripts.

Throughout the day, students took to social media to complain about the glitches and reached out to their teachers for help.

Karuna Sawal, a final-year BCom (Hons) student, said she allotted herself 45 minutes of the total time just to upload her answer sbeets. While uploading my answers, the website crashed. I tried to attach my answer scripts on e-mail but even that has a finit of 25MB. It was traumatising to struggle



through this and the worst thing is it does not end here. It might happen again," she said, adding that she has three mere exams to take. The OBE exams, to be held as a one-time measure in the wake of Covid-19 pandemic, will continue till August 31 for around 240,000 students of the varsity— including those enrolled in non-collegiate courses of School of Open Learning non-collegiate courses of School of Open Learning (SOL) and Non-Collegiate Women's Education Board (NCWEB). On Monday, the first day of exams, students first day of exams, students had complained of technical

glitches.
While 35,000 students appeared for the exams on

Monday, as per data provided by university officials, 32,000 students appeared for their exams on Tuesday. Teachers said that several students received the wrong question papers on e-mail and had to approach their colleges for the correct ones.

papers on e-mail and had to approach their colleges for the correct ones.

Pankaj Garg, a former academic council member who teaches at Rajdhani College, was among those teachers. "Students have been extremely stressed. Since uploading answers on the portal is becoming difficult, they e-mail their answer scripts to university officials and college's nodal officers traises concerns of duplicity if they send their answer scripts everywhere. Some students even send e-mails to colleges after the deadline due to all the confusion. So, there remains a question over whether the varsity will accept answer scripts from

colleges after the deadline," he said. Garg has also written to vice-chancellor Yogesh Tyagi asking him to look into the issues. Despite calls and messages, Tyagi did not comment on the matter on Tyearden.

comment on the matter on Tuesday.

DU Teachers' Association member Abha Dev Habib also raised questions over the rule of asking students to mention their name in the e-mail while sending their answer scripts. "Students fear victimisation. They are nervous about sharing their experiences in the public domain as they may face discrimination," she said.

DU Dean of Colleges Balaram Pani said, "If the portal is not working, they can e-mail us the answer scripts. The website is not the only option. Yes, we are facing issues of duplicity but we are working on flading as solution

working on flading a solution to deal with it."

Form No. INC-26

[Pursuant to rule 30 the Companies (Incorporation) Rules, 2014]
Advertisement to be published in the newspaper for change
of registered office of the company from one state to another
BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
REGIONAL DIRECTOR,
NORTHEN REGION, DELIM

In the matter of sub-section (4) of Section 13 of Companies Act, 2013 and clause (a) of sub-rule (5) of rule 30 of the Compa-(Incorporation) Rules, 2014 AND

of ABHIJIT TRADING CO. LTD (CIN: L51909DL1982PL ving its Registered Office at 18/121-122, Jain Bhawan, Faiz

In the matter of ABHLIIT TRADING CO. LTD [CIR: LS79998L-1598.]
C241783) having as Registered Office at 16/121-122, Jain Binwann, Fatter (ABM) A. E. Archard Begh, New Dein 11005, Petition to Benear August (ABM) A. E. Archard Begh, New Dein 11005, Petition to Sentine Company proposes to Notice in freetry gliven for the General Petition of the Companies Act, 2013 seeking confirmation of Sentine 13 of the Memorandum of Association of the Company in terms of the Special Resolution passed at the Annual General Meeting field on July 29, 2010 enable the Company to change its Registered office from "NCT of Delha" to the "State of Maharashtra".

Any person whose interest is likely to be affected by the proposed change and the Company to Company may deliver either on the MCA.

ddress mentioned below: 6/121-122, Jain Bhawan, Faiz Road, W.E.A Karol Bagh, New Delhi-roper.

Form No. INC-26

[Pursuant to rule 30 the Companies (Incorporation) Rules, 2014]
Advertisement to be published in the newspaper for change
of registered office of the company from one state to another
BEFORE THE CENTRAL G

In the matter of sub-section (4) of Section 13 of Companies Act, 2013 and clause (a) of sub-rule (5) of rule 30 of the Compa (Incorporation) Rules, 2014 AND

AND

AND

In the matter of HILLRIDGE INVESTMENTS LIMITED (CIN: L65993DLT.)

980PLC010757) having its Registered Office at R-815 New Rajinden
Nagar New Delhi 110060, Petitioner
Notice is hereby given to the General Public that the Company proposes it
make application to the Central Covernment under Section 13 of the
Memorandum of Association of the Company in terms of the Special
Resolution passed at the Annual General Meeting held on July 27, 202016
Resolution passed at the Annual General Meeting held on July 27, 202016
Resolution passed at the Annual General Meeting held on July 27, 202016
Resolution passed at the Annual General Meeting held on July 27, 202016
Resolution passed at the Annual General Meeting held on July 27, 202016
Resolution passed at the Annual General Meeting held on July 27, 202016
Resolution passed at the Annual General Meeting held on Turn 19 Central
Resolution passed at the Annual General Meeting held on Turn 19 Central
Resolution passed at the Annual General Meeting held on Turn 19 Central
Resolution passed at the Annual General Meeting held on Turn 19 Central
Resolution passed at the Annual General Meeting held on Turn 19 Central
Resolution passed at the Annual General Meeting held on Turn 19 Central
Resolution passed at the Annual General Meeting held on Turn 19 Central
Resolution passed at the Annual Resolution passed on Turn 19 Central
Resolution passed at the Annual Resolution passed at the Annual Resolution passed at the address meetinger Nagar New Delhi 110/16/20
Resolution passed at the Anturn 19 Central Resolution passed at the Annual Res

id below: der Nagar New Delhi 110060